B- III

L- 27

Economy

लघु विक्रेता (Short-Sellers) :-

ऐसे सटोरिया जो किसी इक्विटी को अग्रिम रूप से बेच देते हैं जबकि उनके पास वह इक्विटी नहीं होती है अर्थात् वह उस इक्विटी में Short (लघु) होता है। आगे चलकर उन्हें उस इक्विटी को खरीदना पड़ता है। उन्हें ऐसा लगता है कि उस इक्विटी का मूल्य वर्तमान में ऊँचा है लेकिन बाद में कम हो जाएगा।

Note:-

अडानी इण्टरप्राइजेज के फॉलो-आन पब्लिक ऑफर (FPO) के मामले में चर्चित हिंडनबर्ग नामक विदेशी कम्पनी एक लघु विक्रेता (Short Seller) है।

शार्ट सेलिंग (Short Selling)

किसी इक्विटी को अग्रिम रूप से बेचना जबकि संबंधित व्यक्ति उस इक्विटी में अशक्त है।

₹ 500 × 10 - Sale = ₹ 5000

₹ 300 × 10 - Buy = ₹ 3000

2000 Profit

KGS IAS
KHAN GLOBAL STUDIES
Most Trusted Learning Platform
KHAN SIR

स्टेग (Stag)

आई पी ओ / एफ पी ओ में भागीदारी करने वाले Bulls ।

आर्बिट्रेज (Arbitrage)

वह प्रक्रिया जिसके अंतर्गत लोग अलग-अलग बाजारों में पाए जाने वाले कीमत अन्तरों से लाभ उठाने की कोशिश करते हैं।

उपर्युक्त सन्दर्भ में वे कम कीमत वाले बाजार से कोई प्रतिभूति व वस्तु खरीदते हैं तथा उसे ऊँची कीमत वाले बाजार में बेच देते हैं

Note :-

उपर्युक्त प्रक्रिया से बाजारों के मध्य एकीकरण होता है जो कि एक सकारात्मक स्थिति होती है।

हेजिंग (Hedging) :

वह प्रक्रिया जिसके अन्तर्गत लोग प्रतिभूति आदि से जुड़ी कीमतों के उतार-चढ़ाव के विरुद्ध

KGS IAS KHAN GLOBAL STUDIES Most Trusted Learning Platform KHAN SIR

अपने आप को सुरक्षित करते हैं।

उपर्युक्त सन्दर्भ में लोग वायदा कारोबार के माध्यम से निश्चित कीमतों पर भविष्य रूप से खरीदने बेचने का सौदा करते हैं जिनका अन्तिम भुगतान (Final Settlement) बाद में होता है।

ब्याज दर आर्बिट्रेज (Interest Rate Arbitrage)

वह प्रक्रिया जिसके अन्तर्गत अमेरिका जैसे विकसित राष्ट्रों के निवेशक भारत जैसे राष्ट्रों में पाई जाने वाली ऊँची ब्याज दरों से लाभ उठाने की कोशिश करते हैं, इसे निम्न प्रकार दिखाया जा सकता है

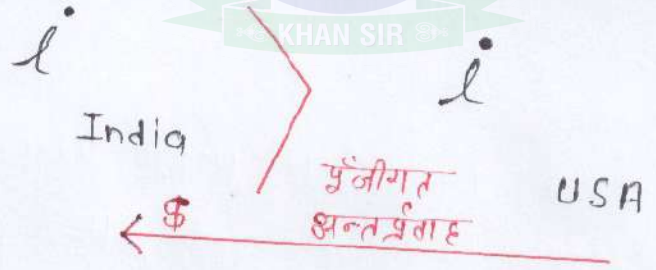

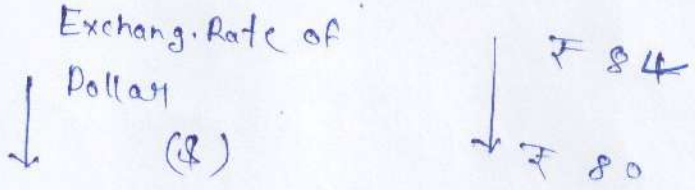

यह ध्यान देने योग्य है कि कई बार अमेरिका जैसे राष्ट्र जानबूझ कर इस प्रक्रिया के माध्यम से

मुद्रा हेरफेर (Currency Manipulations) करते हैं इससे भारत जैसे राष्ट्रो की समाष्टिगत आर्थिक (Macro economic) स्थिरता पर भी प्रभाव पड़ता है।

उपर्युक्त सन्दर्भ में अमेरिका Dovish (ढीली) monetary policy लागू करता है।

म्यूचुअल फंड (Mutual Funds)

ऐसे वित्तीय संस्थान जो छोटी राशि (जैसे कि ₹10 आदि) की यूनिट जारी करके छोटे निवेशकों के धन को एकत्रित करते है और उसका निवेश वित्त बाजार में करते हैं।

विशेषज्ञ ज्ञान के अलावा, निवेशकों को विविध पोर्टफोलियो (diversified portfolio) का लाभ मिलता है जिसके कारण एक सीमा तक बाजार खतरा (Market Risks) कम हो जाता है, हालांकि समाप्त नही होता।

KGS IAS
KHAN GLOBAL STUDIES
Most Trusted Learning Platform
KHAN SIR

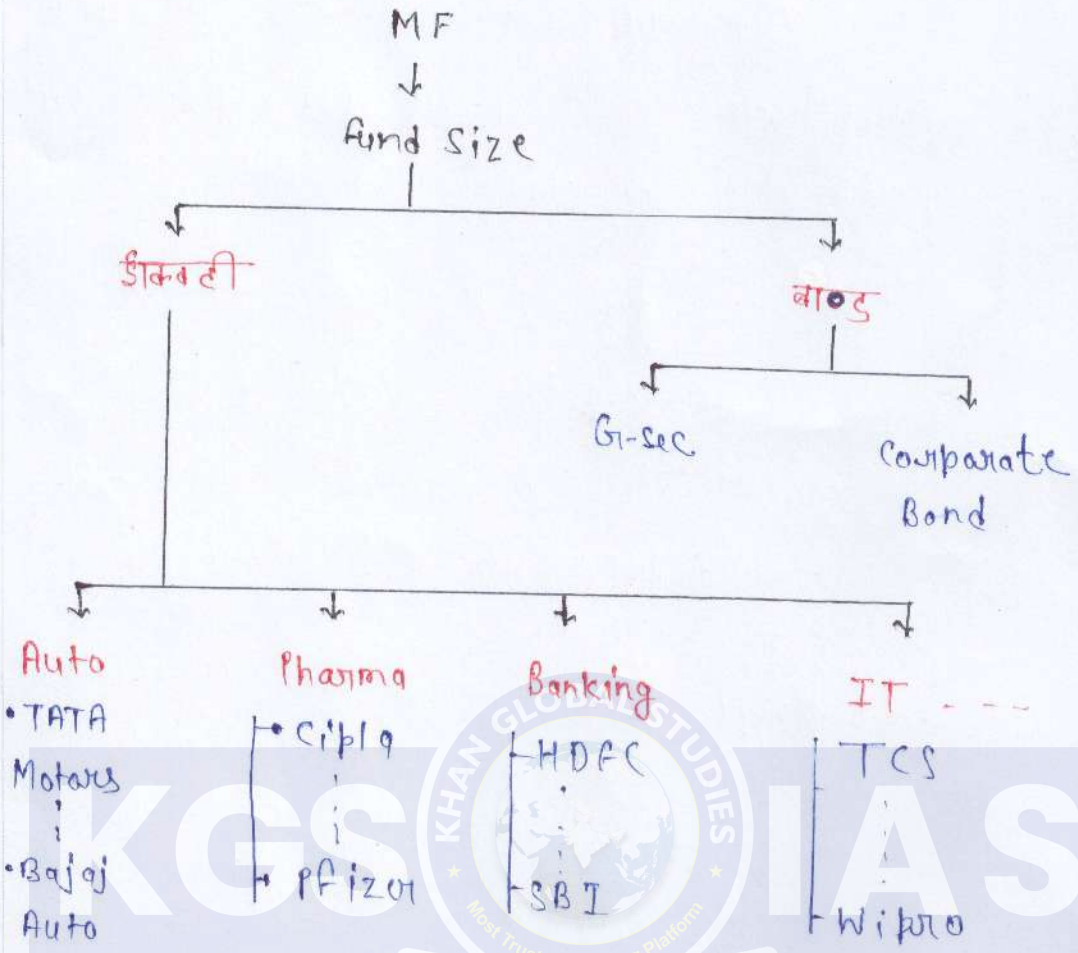

KGS IAS
KHAN GLOBAL STUDIES
Most Trusted Learning Platform
KHAN SIR

एक्सचेंज ट्रेडेड फंड (Exchange Traded Fund) ETF :-

(i) छोटी राशि की यूनिट निकालते हैं।

(ii) पूर्व-निर्धारित इक्विटी / वस्तु के समूह में निवेश करते हैं।

(iii) Passive होते हैं।

जैसे- Gold ETF

Note:-

भारत सरकार द्वारा विनिवेश के लिए ETF का प्रयोग किया जाता है। इस सन्दर्भ में अब तक निम्न दो ETF जारी किए गए हैं।

(i) CPSE - ETF

(ii) Bharat - 22

रियल एस्टेट इन्वेस्टमेंट ट्रस्ट (Real Estate - Investment Trusts)

(i) यूनिट जारी करते हैं।

(ii) रियल एस्टेट क्षेत्र में निवेश

- कम से कम 80% निवेश राजस्व देने वाली परियोजनाओं में।
- अधिक से अधिक 20% निवेश निर्माणाधीन परियोजनाओं में।

Infrastructure Investment Trust (InvITs)

(i) यूनिट निकालते हैं

(ii) Infra क्षेत्र में निवेश।

80:20 के अनुसार।

KGS IAS
KHAN GLOBAL STUDIES
Most Trusted Learning Platform
KHAN SIR